Literacy for a Billion

Movie: Aap Ki Kasam
Year: 1974

Song: Zindagi Ke Safar Mein
Lyricist: Anand Bakshi

ज़िन्दगी के सफ़र में
गुज़र जाते हैं जो मक़ाम
वो फिर नहीं आते
वो फिर नहीं आते

ज़िन्दगी के सफ़र में
गुज़र जाते हैं जो मक़ाम
वो फिर नहीं आते
वो फिर नहीं आते

फूल खिलते हैं
लोग मिलते हैं
फूल खिलते हैं
लोग मिलते हैं मगर
पतझड़ में जो फूल
मुरझा जाते हैं
वो बहारों के आने से
खिलते नहीं
कुछ लोग इक रोज़
जो बिछड़ जाते हैं
वो हज़ारों के आने से
मिलते नहीं
उम्र भर चाहे कोई
पुकारा करे उनका नाम
वो फिर नहीं आते
वो फिर नहीं आते

आँख धोका है
क्या भरोसा है

आँख धोका है
क्या भरोसा है सुनो
दोस्तों शक दोस्ती का
दुश्मन है
अपने दिल में इसे
घर बनाने न दो
कल तड़पना पड़े
याद में जिनकी
रोक लो रूठकर
उनको जाने न दो
बाद में प्यार के
चाहे भेजो हज़ारों सलाम
वो फिर नहीं आते
वो फिर नहीं आते

सुबह आती है
रात जाती है
सुबह आती है
रात जाती है यूँ ही
वक़्त चलता ही रहता है
रुकता नहीं
एक पल में ये आगे
निकल जाता है
आदमी ठीक से
देख पाता नहीं
और पर्दे पे मंज़र
बदल जाता है
एक बार चले जाते हैं
जो दिन रात सुबह शाम

वो ...
वो फिर नहीं आते
वो फिर नहीं आते
ज़िन्दगी के सफ़र में
गुज़र जाते हैं जो मक़ाम
वो फिर नहीं आते
वो फिर नहीं आते

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.